सोमवार
09 सितम्बर 2024

पृष्ठ 4

जले हुए बर्तन को साफ करने में छूट...

पृष्ठ 5

रकुल प्रीत सिंह ने सिजलिंग येलो...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 213
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जिस तरह रंग सादगी को निखार देते हैं उसी तरह सादगी भी रंगों को निखार देती है। सहयोग सफलता का सर्वश्रेष्ठ उपाय है।
– मुक्ता

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

वन विभाग टीम पर हमले का आरोपी शातिर बदमाश गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। गदरपुर क्षेत्र में वन विभाग की टीम पर हमले के शातिर बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से 12 बोर की बन्दूक तथा 4 जिन्दा कारतूस बरामद किये गये है।

जानकारी के अनुसार बीती 6 दिसम्बर को सांय पीपलपडाव जंगल मे वन विभाग की गस्ती टीम पर कुछ शातिर बदमाशो द्वारा बन्दूको से लैस होकर ताबडतोड फायरिंग किया गया था जिसमें वन विभाग के रेंजर सहित कुछ अन्य कर्मी घायल हुए थे। जिस पर रूप नारायण गौतम

❑12 बोर की बन्दूक व 4 जिन्दा कारतूस बरामद

वन रेंजर, पीपलपडाव रेंज तराई वन प्रभाग रूद्रपुर की तहरीर पर थाना गदरपुर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी थी। जिनमें से एक शातिर बदमाश को पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बीते रात कलकत्ती के पास मेन रोड पर कलकत्ती गाँव की तरफ से आने वाले रास्ते अब्दुल्ला नगर बार्डर पर गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसका नाम गुरमीत सिंह उर्फ गेजी पुत्र टहल सिंह निवासी ग्राम हरिपुरा हरसान थाना बाजपुर जनपद ऊधमसिंहनगर बताया गया है। जिसके कब्जे से एक 12 बोर की रायफल व चार कारतूस बरामद किये गये है। पूछताछ में उसने बताया कि 6 सितम्बर को मैने अपने साथियो संगत सिह उर्फ संगी पुत्र कुलदीप सिह, संदीप सिह पुत्र प्रीतम सिह, सर्वजीत सिह उर्फ छब्बी पुत्र छुआरा सिह तथा 5-6 अन्य लोगो द्वारा मिलकर वन विभाग चौकी पीपलपडाव रेन्ज टीम पर फायरिंग की थी।

पुलिस के अनुसार गुरमीत सिह उर्फ गेजी एक पेशेवर किस्म का लकडी तस्कर एवं वाहन चोर है । इसके द्वारा पूर्व मे भी फायरिंग की घटनाए की गयी है जिस संबन्ध मे पूर्व मे हत्या के प्रयास कारित करने के अपराध जो विभिन्न न्यायालयों मे विचाराधीन है।

युवती से छेड़छाड़ में मुस्लिम युवक की पिटाई के बाद दोनों पक्ष आमने-सामने

संवाददाता

देहरादून। युवती से छेडछाड के आरोप में मुस्लिम युवक की पिटाई के मामले में दोनों पक्ष आमने सामने आ गये। दुकानें बंद रखकर विरोध प्रदर्शन कर एक दूसरे के खिलाफ तहरीर दी।

❑दुकानें बंद रख किया विरोध प्रदर्शन

गौरतलब है कि गत दिवस एक दुकान पर सैंडल खरीदने गयी युवती के साथ छेडछाड के आरोप में हिन्दूवादी संगठनों ने मुस्लिम युवक की पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया था। उनका आरोप था कि मुस्लिम युवक ने सैंडल पहनाने के बहाने युवती के साथ छेडछाड की थी जिससे युवती घबराकर ऊपर से नीचे आयी और सारी घटना आसपास के लोगों को बतायी। आज प्रात: काफी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने इनामुल्ला बिल्डिंग में

अपनी दुकानें बंद कर विरोध प्रदर्शन किया और सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। इस दौरान वहां पर शहर कोतवाल चन्द्रभान सिंह अधिकारी भी पहुंच गये। मुस्लिम समुदाय के लोगों का आरोप था कि अपने आपको बजरंग दल का नेता बताने वाले व्यक्ति के द्वारा आये दिन दुकानों में घुसकर मुस्लिम युवकों के साथ मारपीट की जाती है जिससे बाजार में काम कर रहे मुस्लिम युवक दहशत ▶▶ शेष पृष्ठ 8 पर

मलयालम अभिनेता विनायकन हैदराबाद एयरपोर्ट पर गिरफ्तार

मुंबई । मलयालम अभिनेता विनायकन को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अव्यवस्थित आचरण की घटना के बाद गिरफ्तार किया गया। कोच्चि से इंडिगो की फ्लाइट से गोवा जाने की तैयारी कर रहे अभिनेता कथित तौर पर नशे में थे और उन्होंने हवाई अड्डे के गेट पर हंगामा किया। आरजीआई एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर के. बालाराजू के अनुसार,

यह व्यवधान शाम 6 बजे के आसपास हुआ। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, जो हवाई अड्डे की सुरक्षा की देखरेख करता है, ने पाया कि विनायकन का व्यवहार अनुचित और अनियंत्रित था, जिसके कारण उन्हें हिरासत में लिया गया और स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया। इंस्पेक्टर बालाराजू ने पुष्टि की कि विनायकन पर उनके आचरण के लिए सिटी पुलिस अधिनियम के तहत आरोप लगाया गया है। अभिनेता के व्यवहार को हवाई अड्डे पर 'काफी गड़बड़ी' पैदा करने वाला बताया गया।

आतंकी घुसपैठ की कोशिश नाकाम, सेना ने 2 आतंकी ढेर किये

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के नौशेरा में जहां घुसपैठ की कोशिश कर रहे 2 आर्तकियों को मार गिराया गया है। व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बात की जानकारी दी है। उसने बताया कि संभावित घुसपैठ की कोशिश के बारे में खुफिया एजेंसियों और जम्मू कश्मीर पुलिस से मिले इनपुट के आधार पर भारतीय सेना द्वारा 8 सितंबर की मध्यरात्रि को लाम, नौशेरा के सामान्य क्षेत्र में एक घुसपैठ विरोधी अभियान शुरू किया गया था। 2 आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया है और बड़ी मात्रा में युद्ध सामग्री बरामद की गई है। ऑपरेशन जारी है। इससे पहले 2 सितंबर को भी आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस

मुठभेड़ के दौरान जम्मू-कश्मीर के सुंजवान मिलिट्री स्टेशन पर आतंकियों ने फायरिंग की थी। इस मुठभेड़ में सेना का एक जवान शहीद हुआ था। इससे पहले 29 अगस्त को कुपवाड़ा में आतंकियों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन में 3 आतंकी मारे गए थे। इस दौरान 2 आतंकी माछिल और तंगधार में मारे गए थे। ये ऑपरेशन भी 28 और 29 अगस्त के बीच की रात में शुरू हुआ था। वहीं 14 अगस्त को डोडा में कैप्टन दीपक सिंह शहीद हो गए थे। इस एनकाउंटर के दौरान एक आतंकी भी मारा गया था। इससे पहले 16 जुलाई को डोडा में बड़ी मुठभेड़ हुई थी, इसमें कैप्टन समेत 5 जवान शहीद हुए थे।

बता दें कि केंद्र शासित प्रदेश बनाए जाने के बाद जम्मू कश्मीर में पहली बार विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। राज्य की 90 विधानसभा सीटों पर मतदान के लिए चुनाव आयोग ने चुनाव तारीखों का ऐलान कर दिया है। जम्मू-कश्मीर की जनता पांच साल के लिए अपनी सरकार चुनने को 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को मतदान करेगी। सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव 3 चरणों में कराए जाएंगे। विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 अक्टूबर को आएंगे।

दून वैली मेल

संपादकीय

बाहरी लोगों के प्रवेश पर पाबंदी?

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने राज्य के डेमोग्राफिक चेंज को लेकर अक्सर चिंता जताते रहे हैं। उनका मानना है कि राज्य के समाज को बाहरी राज्यों से आने वाले लोगों द्वारा खराब किया जा रहा है राज्यों की जमीनों की लूट खसोट से लेकर तमाम तरह के अपराधों की जड़ में यह बाहरी राज्यों के लोग ही सबसे अहम कारण हैं। लूटपाट की घटनाओं से लेकर हत्या तथा महिलाओं से छेड़छाड़ और उनके यौन शोषण जैसे तमाम अपराधों का ग्राफ जो बढ़ रहा है वह सब अन्य राज्यों से आए लोगों की ही देन है। इसे रोकने के लिए उन्होंने लव जिहाद और लैंड जिहाद जैसे कानून भी बनाए गए हैं। अभी हमने विगत सालों में जो धार्मिक संरचनाओं पर बुलडोजर कार्यवाही होते हुए देखी थी वह सब उनकी इन्हीं नीतियों का परिणाम है। पहाड़ के कई ऐसे जनपद है जहां बीते समय में लड़कियों और महिलाओं के साथ छेड़छाड़ या बहला फुसला कर उन्हें भगा ले जाने और यौन शोषण की घटनाओं को लेकर भारी हंगामा हुआ है। केदार घाटी के कई क्षेत्रों में तो इस तरह के मामले सामने आने पर बाजार बंद और सड़कों को जन आंदोलन के साथ-साथ बाहरी लोगों के व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक में तोड़फोड़ तक की गई है। सही मायने में यह समस्या बाहरी लोगों की समस्या नहीं है यह एक कानून व्यवस्था की समस्या है। देश के तमाम राज्यों में अन्य राज्यों के लोगों का आना-जाना बसना और कोई कारोबार करना कोई नई बात नहीं है यह हर एक राज्य में होता है और होता रहेगा, क्योंकि संविधान और कानून इसका अधिकार देता है। बाहरी राज्यों से आने वाले लोग कौन हैं उनका इतिहास भूगोल क्या है? इसे जानना राज्य सरकार का अधिकार है। वह किस उद्देश्य से आए हैं और क्या करते हैं? इस पर प्रशासन द्वारा नजर रखी जानी चाहिए। यही नहीं अगर उनकी कोई भी गतिविधि समाज और कानून के खिलाफ है तो उनके खिलाफ कार्रवाई भी होनी चाहिए? लेकिन अगर कोई राज्य या समाज दूसरे राज्यों के लोगों के आने-जाने पर प्रतिबंध लगाता है तो यह किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं हो सकता है। रुद्रप्रयाग जिले के कई गांवों में इन दिनों ऐसे बोर्ड लगाए गए हैं जिन पर लिखा है कि गांव में बाहरी राज्य के लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध है अगर कोई व्यक्ति गांव में घूमता या फेरी तथा व्यापार करता पकड़ा जाएगा तो उस पर 500 रूपये जुर्माना लगाया जाएगा तथा सजा भी दी जाएगी यह बोर्ड ग्राम पंचायतों के हवाले से लगाए गए हैं। इन गैर कानूनी बोर्डो को लेकर हालांकि प्रशासन का कहना है कि वह उन्हें हटाएगा। सवाल यह है कि क्या उत्तराखंड के लोग दूसरे राज्यों में नहीं आते जाते या रहते हैं या फिर उनकी किसी भी तरह के अपराधों में संलिप्तता होती ही नहीं है तब क्या देश के सभी राज्यों को अपने यहां वही करना चाहिए जो उत्तराखंड में हो रहा है। राज्य में होने वालों कुल अपराधों में से 90 फीसदी अपराधों में राज्य के लोग ही होते हैं। राज्य के लोगों को अपराधों से रोकने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। बाहरी लोगों के प्रवेश को प्रदेश से रोकने से ज्यादा ध्यान इस बात पर दिया जाए तो ज्यादा बेहतर होगा खतरा चाहे अपनों से हो या फिर बाहरी लोगों से खतरा तो खतरा ही होता है।

सरकार अपने मंत्रियों पर लग रहे आरोपों पर पर्दा डाल रही है: कलेर

संवाददाता

देहरादून। आप उत्तराखण्ड प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष एसएस कलेर ने कहा कि धामी सरकार अपने करीबी मंत्रियों पर लग रहे आय से अधिक संपत्ति के मामले पर पर्दा डाल रही है।

आज प्रेस नोट जारी करते हुऐ आप उत्तराखंड प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष एस एस कलेर ने कहा जीरो टॉलरेंस की बात करने वाली धामी सरकार अपने करीबी मंत्रियों पर लग रहे आय से अधिक संपत्ति के मामले पर पर्दा डाल रही है। कभी केबिनेट मंत्री के परिवार को अवैध रूप से सरकारी टेंडर मिल जा रहे है तो कभी भाजपा विधायकों के परिवार के सदस्यों को सीमा सुरक्षा बल द्वारा हथियार के जखीरे के साथ पकडा जा रहा है। भाजपा नेता स्वंय प्रदेश मे महिला दुष्कर्म के मामलो मे पकडे जा रहे है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिया गया नारा 'बेटी बचाओ व बेटी पढाओ' को उत्तराखंड के भाजपा नेता स्वंय उपहास उडा रहे है।

साध्वीमकर्देववीतिं नो अद्य यज्ञस्य जिह्वामविदाम गुह्याम्।
स आयुरागात्सुरभिर्वसानो भद्रामकर्देवहूतिं नो अद्य।।
(ऋग्वेद १०-५३-३)

अग्नि हमें दिव्य गुणों को प्राप्त करायें हमें यज्ञनिक कार्य के लिए प्रेरित करें, जिससे कि हम प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त कर सकें। हमारी वाणी प्रभु का स्तवन करें। हम यज्ञनिक जीवन बनाकर निरोग और दीर्घायु वाले बने।

'एक पेड़ मां के नाम और हजार पेड़ धरती मां के नाम' के स्लोगन के साथ किया सघन वृक्षारोपण

लोकेंद्र सिंह बिष्ट

उत्तरकाशी। गंगा विचार मंच उत्तराखण्ड और टेहरी डैम वन प्रभाग के खुरमोला रेंज के संयुक्त तत्वावधान में मांगलीसेरा बीट में एक पेड़ मां के नाम और हजार पेड़ धरती मां के नाम के स्लोगन के साथ सघन वृक्षारोपण किया गया। गंगा विचार मंच उत्तराखण्ड पिछले 15 वर्षों से मांगली सेरा के जंगलों में वन विभाग और ग्रामीणों के सहयोग से प्रत्येक वर्ष सघन वृक्षारोपण के कार्य में जुटा है।

आज मांगली सेरा के इस वन में देवदार के 200 वृक्षों के साथ बांझ, काफल, बुरांश, पैयां और मिश्रित प्रजाति के लगभग 20 हजार पेड़ों का एक खूबसूरत जंगल लहलहा रहा है। ग्रामीण स्वयं इस जंगल की देखभाल करते हैं और वनों की आग से इसकी सुरक्षा भी स्वयं ही करते है। समय समय पर इस वन में वन विभाग से इस जंगल में वृक्षारोपण करवाया जाता है और जगलों की आग के समय वन विभाग का भी सहयोग लिया जाता है।

आज गंगा विचार मंच उत्तराखण्ड के कार्यकर्ताओं और टेहरी डैम वन प्रभाग के खुरोमोला रेंज के अधिकारियों कर्मचारियों ने मांगली सेरा के इस जंगल में खाली स्थानों पर वृहद वृक्षारोपण कार्य को अंजाम दिया। वृक्षारोपण में देवदार, बांझ बुरांश के साथ साथ फलदार पौधों अमरूद, माल्टा आदि का रोपण भी किया गया।

गंगा विचार मंच के प्रान्त संयोजक लोकेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और गंगा स्वच्छता के लिए मां गंगा के कैचमेंट एरिया में सघन वृक्षारोपण की आवश्यकता है। लोकेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि पेड़ लगाने के साथ साथ हमे कम से कम 5 साल इन पौधों की व्यक्तिगत तौर पर सुरक्षा का जिम्मा लेना चाहिए। वन विभाग को भी चाहिए की मात्र वृक्षारोपण कार्य करने से पेड़ जिंदा नहीं रहते। पेडों की सुरक्षा के लिए विभाग को इन रोपित पौधों के देखभाल के लिए अपनी नैतिक जिम्मेदारी लेनी होगी।

आज मांगलीसेरा मे हरेला एवं पौध वितरण कार्यक्रम के अन्तर्गत टिहरी डैम वन प्रभाग द्वितीय उत्तरकाशी के खुरमोलागाड रेंज के वन अधिकारी खिलान्नद लेखवार, अनुभाग अधिकारी, सारदा राणा वन दरोगा, कीर्ति मणी बलुनी वीट अधिकारी, बिजय कुमार, वीट अधिकारी, राधेश्याम बिजलवान, गंगा विचार मंच के गजेंद्र सिंह बिष्ट के साथ वीट अधिकारी एवं समस्त वन कर्मचारियों द्वारा पौध रोपण कार्य किया गया है। गंगा विचार मंच के प्रान्त संयोजक लोकेंद्र सिंह बिष्ट ने वृक्षारोपण में सहयोग करने वाले सभी वन विभाग के कर्मचारियों अधिकारियों और उपस्थित लोगों को नमामि गंगे की टी शर्ट और कैप भेंट की।

मारपीट कर पांच लाख रूपये लूटने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर पांच लाख रूपये लूटने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जीवनगढ निवासी अरूण कुमार शर्मा ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज रात्रि 9.30 बजे उसके प्लांट पर सदाम पुत्र यामिन निवासी जीवनगढ अपने साथ 8-10 अज्ञात लोगो को लेकर आया ओर उसने पहले तो उसके स्टाफ से बतमीजी की ओर जब उसको पता चला तो उसने उनको समझाने की कोशिश तो उन्होने उसके साथ भी गाली गलोज की ओर धारदार हथियार से उसके सिर पर वार कर ओर उसके पास से पांच लाख रुपये छीन कर भाग गये ओर कह रहे थे कि उसकी तो उन्हें बहुत दिनो से चक्कर में थे उसको वह जान से मारेगे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एसी की तारें चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने कम्प्लैक्स एसी की तारें चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार आईटी पार्क निवासी अमन ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी दून चिकित्सालय के समीप स्थित नगर निगम कम्प्लैक्स मे आफिस है। गत रात्रि करीब तीन बजे चोरों ने कम्प्लैक्स में घुसकर पहले दुकानों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों से छेडछाड की और उसके बाद एसी की तारें चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट ने अपना 10वां वृक्षरोपण अभियान राजावाला में किया

संवाददाता

देहरादून। क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट समिति ने मानसून सत्र का दसवां वृक्षारोपण अभियान गणेश महोत्सव के अवसर पर राजावाला में किया।

आज यहां क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट समिति द्वारा इस मानसून सत्र का दसवां वृक्षारोपण अभियान श्री गणपति महोत्सव के अवसर पर सेलाकुई के गांव राजावाला (द्वितीय चरण) में संपन्न किया गया। इस अवसर पर गुलमोहर, नीम, बांस, पीपल, बरगद, चक्रेसिया, सिल्वर ओक इत्यादि के 70 से अधिक वृक्षों का रोपण किया गया। इस अवसर पर मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराए गए ट्री गाड्र्स भी लगाए गए पेड़ो की सुरक्षा हेतु लगाए गए। क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट समिति द्वारा लगातार मानसून सत्र के तीसरे माह में किया गया ये दसवां वृक्षारोपण अभियान है। राजावाला गांव के प्रधान सुरेश द्वारा अत्यधिक सहयोग प्रदान किया गया। गांव के शमशान घाट के साथ नदी किनारे खाली पड़ी ग्राम समाज की भूमि पर वृक्ष लगाए गए। सितंबर माह में बारिश की कमी के कारण वृक्षों को पनपने में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा परंतु ग्राम प्रधान ने वर्षा ऋतु उपरांत लगाए गए पौधो में टैंकर की मदद से पानी डालने हेतु समिति को आश्वस्त किया। ग्राम राजावाला भी इस बार समिति के दसवें वृक्षारोपण अभियान का गवाह बना, जहां समिति ने तन मन से 70 से अधिक वृक्षों का रोपण, ट्री गाड्र्स के सहित किया। श्री गणेश महोत्सव के चलते समिति के सदस्यो की संख्या कुछ कम रही परंतु हौसलों में कुछ भी कमी नहीं आई। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष एवं संस्थापक राम कपूर, उपाध्यक, रनदीप अहलूवालिया, अमरनाथ कुमार, शंभू शुक्ला, राजेश बाली, सुदीप ममगाई, भूमिका दुबे, आशिमा प्रधान, हृदय कपूर एवं राजावाला गांव के प्रधान सुरेश उपस्थित रहे।

गैस के चूल्हे को आसानी से साफ करने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

रसोई की ऐसी कई चीजें है जिनकी नियमित तौर पर सफाई बेहद जरूरी है और इन्हीं चीजों में से एक है गैस का चूल्हा। इसकी रोजाना सफाई करना इसलिए जरूरी है क्योंकि अक्सर खाना पकाते समय इस पर कुछ न कुछ गिर जाता है और इस गंदगी के कारण इस पर कीटाणु पनपने लगते हैं। चलिए फिर आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू तरीके बताते हैं जिन्हें अपनाकर आप गैस के चूल्हे की आसानी से सफाई कर सकते हैं।

अगर आप अपने गैस के चूल्हे की अच्छे से सफाई करना चाहते हैं तो इसके लिए आप सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक स्प्रे बोतल को आधा पानी और आधा सिरके से भरकर उन्हें अच्छे से मिलाएं और फिर इन्हें थोड़ी दूरी से पूरे चूल्हे पर छिड़कें। इसके बाद चूल्हे को 15-20 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अंत में एक माइक्रोफाइबर कपड़े से चूल्हे को पोंछ दें। यकीनन इससे आपका चूल्हा चमक उठेगा। गैस के चूल्हे को अच्छे से साफ करने में नींबू का रस भी आपकी काफी मदद कर सकता है। इसके लिए एक कटोरी पानी में चार बड़ी चम्मच नींबू का रस मिलाएं और फिर इस मिश्रण को सॉफ्ट-ब्रिसल्स वाले ब्रश की मदद से पूरे चूल्हे पर लगाकर इसे 25 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अंत में चूल्हे को माइक्रोफाइबर कपड़े की मदद से पोंछ लें। सिरका और बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करके आप न सिर्फ गैस के चूल्हे की सतह बल्कि इसके बर्नर की भी अच्छे से सफाई कर सकते हैं। इसके लिए एक कटोरी में आधा कप सिरका और एक बड़ी चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं और फिर इस मिश्रण को गैस चूल्हे की सतह पर छिड़क दें। वहीं बर्नर को रातभर के लिए इस मिश्रण में डुबोकर रख दें। अगली सुबह दोनों ही चीजों को माइक्रोफाइबर कपड़े की मदद से पोंछ दें। अमोनिया की मदद से भी आप अपने गैस के चूल्हे को अच्छे से साफ कर सकते हैं। इसमें एक्सफोलिएटिंग प्रॉपर्टीज होती हैं जो न सिर्फ चूल्हे की सतह बल्कि बर्नर और ग्रेट्स के अंदर छुपी गंदगी को भी बाहर निकाल सकती हैं। इसके लिए गैस के चूल्हे पर अमोनिया डालकर उसे रातभर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद एक सॉफ्ट ब्रश की मदद से चूल्हे को साफ कर लें। यकीनन इससे आपका चूल्हा चमकने लगेगा।

जामुन खाने से भूख बढ़ती है

जामुन स्वाद में खट्टा-मीठा होने के साथ सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है। जामुन खाने से भूख भी बढ़ती है। इसमें ग्लूकोज और फ्रक्टोज पाया जाता है। यह गर्मी की शुरुआत में ही बाजार में आने लगता है। इसमें ऐंटिऑक्सिडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं और शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है। यह पाचन तंत्र के लिए भी काफी फायदेमंद है। बस एक बात का ध्यान रखें कि खाली पेट जामुन न खाएं। जामुन के फायदों पर एक नजर-

मुंहासे होने पर जामुन की गुठलियों को सुखाकर पीस लीजिए। रात को सोते समय इस पाउडर में गाय का दूध मिलाकर चेहरे पर लगाइए, इस लेप को सुबह ठंडे पानी से धो लीजिए। विटमिन सी की कमी को दूर करने के लिए जामुन खाना अच्छा रहता है। बहुत कम लोगों को यह मालूम होगा कि जामुन में विटमिन सी काफी मात्रा में पाया जाता है। जामुन का सिरका बनाकर बराबर मात्रा में पानी मिलाकर खाने से न केवल भूख बढ़ाती है, बल्कि कब्ज की समस्या भी दूर हो जाती है।

जामुन में फ्लेवोनॉइड्स, फेनॉल्स, प्रोटीन और कैल्शियम भी पाया जाता है, जो सेहत के लिए फायदेमंद होता है। ग्लूकोज और फ्रक्टोज के रूप में मिलने वाली शुगर शरीर को हाइड्रेट करने के साथ ही कूल और रिफ्रेश करती है।

अगर आपको कमजोरी महसूस होती है या आप अनीमिया से पीड़ित हैं तो जामुन खाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। अगर आपको ऐसिडिटी की समस्या रहती है तो काले नमक में भुना जीरा मिलाकर पीस लें। फिर इसके साथ जामुन खाएं। ऐसिडिटी की समस्या दूर हो जाएगी।

अगर आपका बच्चा बिस्तर गीला करता है तो जामुन के बीजों को पीसकर आधा-आधा चम्मच दिन में दो बार पानी के साथ पिलाएं।

गले के रोगों में जामुन की छाल को बारीक पीस लें। इसको पानी में घोलकर माउथ वॉश की तरह गरारा करें। इससे गला तो साफ होगा ही, सांस की दुर्गंध भी दूर हो जाएगी और मसूढ़ों की बीमारी भी दूर हो जाएगी। विषैले कीड़ों के काटने पर जामुन की पत्तियों का रस पिलाना चाहिए। काटे गए स्थान पर इसकी ताजी पत्तियों का पुल्टिस बांधने से घाव ठीक होने लगता है क्योंकि जामुन के चिकने पत्तों में नमी सोखने की क्षमता होती है।

आपके लिए कब जानलेवा साबित हो सकता है नेल पेंट लगाना!

नेल पेंट लगाना हर महिलाओं को बहुत पसंद होता है। महिलाएं बदल-बदल कर नेल पेंट लगाना पसंद करती हैं। लेकिन, क्या आप जानती हैं कि नेल-पेंट लगाना स्वास्थ्य के लिए कितना नुकसानदायक हो सकता है? दरअसल, इसमें मौजूद केमिकल त्वचा या आंखों के संपर्क में आने पर सेहत पर बुरा प्रभाव डालते हैं।

नेल पॉलिश या दूसरे किसी भी रंगीन सौंदर्य उत्पाद में फार्मल्डिहाइड नाम का एक केमिकल होता है। यह उत्पाद को चिपचिपा बनाने के लिए प्रयोग में लिया जाता है। कई लोगों को स्किन के संपर्क में आने पर इस केमिकल से खुजली की समस्या हो जाती है। इस एलर्जी के बढ़ने पर आपको गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हखाऊं। आइए जानें नेल पेंट लगाने के नुकसान के बारे में....

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, नेल पॉलिश हमेशा लगाए रहने से नाखूनों को ब्रेक नहीं मिलता जिससे नाखूनों की परत पतली होकर टूटने लगती हैं। इसलिए कुछ दिनों के लिए नेल पॉलिश न लगाएं। रोज़ाना 10-15 मिनट के लिए अपने नाखूनों को गर्म पानी में डुबोकर रखें ताकि वे हाइड्रेट हो सकें।

कहते हैं कि, सस्ती नेल पॉलिश में ऐसे केमिकल होते हैं, जो आपके नाखूनों को रूखा-सूखा बना देते हैं। इसलिए ऐसी नेल पॉलिश का इस्तेमाल करें, जिनमें कम केमिकल हों। बाज़ार में विटामिन वाली नेल पॉलिश भी मिलती हैं, जो नाखूनों को पोषण देकर उन्हें स्वस्थ बनाती हैं।

नेल पेंट बनाने में स्पिरिट का भी इस्तेमाल किया जाता है, जो फेफड़ों को बुरी तरह से प्रभावित करता है। ऐसे में इसका इस्तेमाल करना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पॉलिश में डिबुटाइल थैलेट नामक एक ऑयली केमिकल होता है, जो लगाते समय इसमें क्रैक नहीं पड़ने देता। लेकिन, जब यह आंख और मुंह के संपर्क में आता है, तो संक्रमण होने का खतरा बढ़ जाता है। वहीं इसकी वजह से नाक और गले में इंफेक्शन तक हो सकती है। अगर आप 2-3 दिनों में नेल पॉलिश बदलती हैं, तो इसका मतलब है कि आप ढेर सारे रिमूवर का भी इस्तेमाल करती हैं। नेल पॉलिश रिमूवर में एसिटोन होता है, जो नाखूनों में मौजूद नैचुरल ऑयल और नमी को सोख लेता है और नाखूने के आसपास की त्वचा सूख जाती है।(आरएनएस)

बहुत ज्यादा गैस बनती है तो उसके पीछे हो सकते हैं ये कारण

गैस बनने की समस्या तब होती है, जब गले और पेट को जोड़ने वाली एक प्रकार की नली कमजोर हो जाती है और इससे पेट में मौजूद एसिड ऊपर की ओर आ जाता है। यह एक सामान्य शारीरिक समस्या है और इससे डॉक्टरी इलाज की मदद से राहत पाई जा सकती है। हालांकि, अगर आपको बहुत ज्यादा पेट में गैस बनने की समस्या रहती है तो उसके पीछे कुछ कारण हो सकते हैं। आइए उन्हीं के बारे में जानते हैं।

सोडा या फिर बियर जैसे किसी भी तरह कार्बोनेटेड पेय पदार्थ का अधिक सेवन करने से आपको बार-बार पेट में गैस बनने की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

दरअसल, कार्बोनेटेड ड्रिंक्स में मौजूद एसिड पेट में गैस बनाने का कारण बनता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप इनका सेवन करने से बचें और इनकी बजाय स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थों का सेवन करें क्योंकि इससे आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

अमूमन लोग समझते हैं कि पेट में अधिक गैस बनने का कारण सिर्फ गलत खान-पान ही होता है, लेकिन कुछ बीमारियों की वजह से भी आपको बार-बार गैस की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

अगर आपको डाइवर्टिक्युलाइटिस, अल्सरेटिव कोलाइटिस, क्रोहन्स डिजीज, इरिटेबल बाउल सिंड्रोम, डायबिटीज, थायराइड डिसफंक्शन या फिर इंटेस्टाइन ब्लॉकेज जैसी बीमारियों में से कोई बीमारी है तो आपके पेट में अधिक गैस बनने की समस्या हो सकती है।

लैपटॉप की स्क्रीन पर लग गए हैं स्क्रैच?

लैपटॉप को ठीक से स्टोर न करने और बार-बार स्क्रीन को छूने से कई बार इस पर स्क्रैच लग जाते हैं और लैपटॉप काफी गंदा दिखने लगता है। इसके अलावा यह डर भी सताने लगता है कि कहीं लैपटॉप की स्क्रीन काम करना न बंद कर दे। आइए आज हम आपको कुछ ट्रिक्स बताते हैं जिन्हें अपनाकर आप आसानी से अपने लैपटॉप की स्क्रीन से स्क्रैच को दूर कर सकते हैं।

पेट्रोलियम जेली का करें इस्तेमाल

अगर आपके लैपटॉप की स्क्रीन पर स्क्रैच लग गए हैं तो उन्हें हटाने के लिए आप पेट्रोलियम जेली का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले लैपटॉप की स्क्रीन को किसी साफ कपड़े से अच्छी तरह पोंछ लें। अब माइक्रोफाइबर कपड़े पर पेट्रोलियम जेली लगाकर इससे लैपटॉप की स्क्रीन को हल्के हाथों से साफ करें। अंत में एक अन्य माइक्रोफाइबर कपड़े से दोबारा लैपटॉप की स्क्रीन को पोंछे।

रबड़ आएगा काम

यहां बात पेंसिल के लिखे हुए को मिटाने वाली रबड़ की हो रही है। इसका इस्तेमाल करके लैपटॉप की स्क्रीन से स्क्रैच को दूर किया जा सकता है। इसके लिए

आपको बस इतना करना है कि स्क्रैच लगे हिस्से पर धीरे-धीरे कुछ देर के लिए रबड़ को हल्के हाथ से रगड़ें। लगभग चार से पांच मिनट रगड़ने के बाद आप देखेंगे कि स्क्रैच काफी हद तक हट चुके हैं। ध्यान रखे कि रबड़ पर अधिक दबाव नहीं डालना है।

रबिंग अल्कोहल भी है कारगर

आप चाहें तो लैपटॉप की स्क्रीन से स्क्रैच हटाने के लिए रबिंग अल्कोहल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले लैपटॉप की स्क्रीन को एक बार अच्छे से किसी साफ कपड़े से पोंछ लें। अब एक माइक्रोफाइबर कपड़े को रबिंग अल्कोहल से भिगोकर स्क्रीन पर हल्के हाथों से फेरें। अगर आपके टीवी या मोबाइल पर अधिक स्क्रैच दिखाई दे रहे हैं तो उन्हें हटाने के लिए भी आप रबिंग अल्कोहल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्क्रैच रिमूवर रहेगा बहुत ही प्रभावी

आजकल मार्केट में एक से एक बेहतरीन स्क्रैच रिमूवर मौजूद हैं, जिनका इस्तेमाल करके भी आप अपने लैपटॉप की स्क्रीन से स्क्रैच दूर कर सकते हैं। हालांकि ध्यान रखें कि लैपटॉप की स्क्रीन पर स्क्रैच रिमूवर का इस्तेमाल करते समय हल्के हाथों से काम करें क्योंकि अधिक दबाव डालने से स्क्रैच कम होने की बजाय बढ़ सकते हैं। इसके अलावा लैपटॉप से स्क्रैच हटाने के लिए आप टूथपेस्ट का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

आपको सेहतमंद रखती है दिन में एक झपकी

दिन के बीच में झपकी लेना हर किसी के लिए संभव नहीं है। बिजी शेड्यूल्स, टाइट डेडलाइन और तनाव स्तर बढ़ने के कारण लोगों के पास जरूरी कामों को करने का समय ही नहीं मिलता। ऐसे में झपकी के लिए समय तो बहुत दूर की बात है। लेकिन, एक्सपर्ट्स की बड़ी संख्या का मानना है कि दिन में अगर आप एक बार झपकी ले लेते हैं तो इससे आपको कई तरह का फायदा पहुंचता है।

एनर्जी लेवल

1० से 15 मिनट की छोटी झपकी से आपका एनर्जी लेवल बढ़ सकता है। छोटा सा ब्रेक दिमाग को शांत करने और फिर से व्यवस्थित करने के लिए पर्याप्त है।

एकाग्रता एवं मुस्तैदी

झपकी से आपको एकाग्र और अलर्ट रहने में मदद मिलती है। अगर आप किसी अहम कॉल या काम से पहले थोड़ी देर के लिए झपकी ले लेंगे तो इससे आप बेहतर परफॉर्म कर सकेंगे। कुछ स्टडी में ऐसा कहा गया है।

झपकी का स्थान

जहां आप झपकी लेते हैं, वह स्थान भी अहमियत रखता है। अगर ऐसी जगह पर झपकी लेंगे जहां शोर-शराबा ज्यादा हो रहा है तो ऐसी उम्मीद बहुत कम है कि आप उठने के बाद तरोताजा महसूस करेंगे।

तनाव कम करे

दिन में एक झपकी लेने से आपका तनाव भी कम होता है और आपका हार्ट स्वस्थ रहता है।

दुर्घटना से बचाए

कई स्टडी में यह भी उल्लेख किया गया है कि झपकी लेना उनलोगों के लिए काफी फायदेमंद है जो गाड़ी चलाते हैं। झपकी लेने से गाड़ी में नींद नहीं महसूस होती है। कई दुर्घटनाएं गाड़ी चलाते समय सो जाने के कारण हुई है।

ताजगी लाए, थकान भगाए

कुछ देर के लिए झपकी लेने से आपका मूड बेहतर होता है और थकान कम होती है। (आरएनएस)

सरकार की असल नीति क्या है?

सही है विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों ने छोटे कारोबारियों को व्यापार से बाहर करने के लिए चीजें सस्ती दरों पर बेचीं। उस कारण उन्हें घाटा हुआ। सवाल है सरकार की असल नीति क्या है?

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने ई-कॉमर्स कंपनियों पर सीधा निशाना साधा। उन्हें देश के करोड़ों खुदरा कारोबारियों की बढ़ती मुसीबत का कारण बताया। उन्होंने कहा- ई-कॉमर्स की भारत में बेरोक वृद्धि से 卐बड़े पैमाने पर सामाजिक अस्त-व्यवस्ता卐 पैदा हो सकती है, जिसका असर दस करोड़ छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा। गोयल एक संस्था की रिपोर्ट जारी होने के मौके पर बोल रहे थे। रिपोर्ट %भारत में रोजगार एवं उपभोक्ता कल्याण पर ई-कॉमर्स का संपूर्ण प्रभाव' शीर्षक से जारी हुई है। गोयल ने अमेजन कंपनी का नाम लेकर उस पर निशाना साधा। उनकी टिप्पणी गौरतलब है- %कीमत तय करने का लूटेरा चलन क्या देश के हित में है, जहां अमेजन जब कहती है कि वह अरबों डॉलर का निवेश करेगी, तो हम सब खुशी मनाते हैं। लेकिन हम अंदरूनी कहानी भूल जाते हैं कि ये अरबों डॉलर किसी बड़ी सेवा या भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सहायक किसी बड़े निवेश के रूप में नहीं आ रहे हैं। ये रकम कंपनी अपना घाटा पाटने के लिए ला रही है। लेकिन अरबों डॉलर का घाटा हुआ ही क्यों?' गोयल का तात्पर्य है कि इन कंपनियों को घाटा छोटे कारोबारियों को व्यापार से बाहर करने के लिए चीजें सस्ती दरों पर बेचने के कारण हुआ। उसे पाटने के लिए अरबों डॉलर लाए गए।

यह नहीं कहा जा सकता कि गोयल की बातें बेबुनियाद हैं। मगर सवाल यह उठेगा कि नरेंद्र मोदी सरकार की नीति क्या है? क्या उसकी नीतियों ने हर तरह के विदेशी निवेश को प्रोत्साहित नहीं किया है? और क्या उसका ही यह परिणाम नहीं है कि देश में विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों का पूरा वर्चस्व बन गया है। वैसे क्या यह भी एक सच नहीं है कि केंद्र की ही नीतियों या कार्य-प्रणाली से तंग आकर अनेक कंपनियां बाहर चली गई हैँ। इस क्रम में ना तो देसी उद्योग का विकास हुआ है और ना विदेशी निवेश से अपेक्षित उद्देश्य पूरा हुआ है। क्या गोयल की बातें अब ई-कॉमर्स सेक्टर में अनिश्चय का माहौल नहीं बनाएंगी? वैसे खुदरा कारोबार सेक्टर की मुसीबतें बढ़ाने में नोटबंदी और जीएसटी जैसे नीतिगत फैसलों का क्या रोल रहा है, गोयल को यह भी बताना चाहिए। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

जले हुए बर्तन को साफ करने में छूट रहे हैं पसीने, तो इस ट्रिक से करें 5 मिनट में बर्तनों को साफ

फैमिली बड़ी हो या छोटी रोजाना खाना बनाते वक्त कुछ ना कुछ बर्तन जल ही जाते हैं, जिससे रसोई में काम करने वाली अधिकतर महिलाएं काफी परेशान रहती है। क्योंकि जले हुए बर्तनों को साफ करना एक कठिन काम हो सकता है। अगर आप भी इससे परेशान हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप जले हुए बर्तन को आसानी से कुछ मिनट में साफ कर सकती हैं।

जले हुए बर्तन को आसानी से करें साफ

रसोई में खाना बनाते समय कभी-कभी बर्तन जल जाते हैं, जिससे उन्हें साफ करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आप जले हुए बर्तन को साफ करने के लिए बेकिंग सोडा और पानी का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आपको जले हुए बर्तन को पहले पानी से भरकर रख देना होगा और फिर इसमें एक कप बेकिंग सोडा डाल दें। अब इस मिश्रण को कुछ घंटे के लिए साइड में रख दें, अब एक कडक़ ब्रश की मदद से जले हुए हिस्से को रगडऩे से आप बड़ी आसानी से जले हुए बर्तन को साफ कर सकती हैं।

सिरके का करें इस्तेमाल

इसके अलावा आप सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले आपको जले हुए बर्तन में बराबर मात्रा में सिरका और पानी डालना होगा अब कुछ देर के लिए आप इसे गैस पर मध्यम आंच पर उबलने के लिए रख दें। जब यह ठंडा हो जाएं, तब आप इस बर्तन को रगड़ कर अच्छी तरह धो लें। इससे आपका बर्तन आसानी से साफ हो जाएगा।

टमाटर का पेस्ट

यही नहीं आप टमाटर के पेस्ट का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको टमाटर के पेस्ट को जले हुए हिस्से पर लगाना होगा, थोड़ी देर तक इसे लगा रहने दे उसके बाद साफ पानी से धो लें। ऐसा करने पर जला हुआ बर्तन साफ हो जाएगा।

सोडे का इस्तेमाल

इसके अलावा आप सोडे का इस्तेमाल कर सकते हैं। सोडा को पानी में मिलाकर पेस्ट बना ले, फिर ऐसे जले हुए हिस्से पर लगाएं। कुछ देर बाद बर्तन धो दें। अब आप नींबू को आधा काट लें और उसमें नमक लगाकर जले हुए हिस्से पर रगड़ें। कुछ देर बाद आप इसे धो लें।

इन चीजों का रखें ध्यान

इसके अलावा कुछ चीजों का ध्यान रखना चाहिए, जैसे जले हुए बर्तन को तुरंत ना धोएं। इसके अलावा ज्यादा कठोर ब्रश का इस्तेमाल न करें। इससे बर्तन खराब हो सकते हैं। इन सभी टिप्स को अपनाकर आप आसानी से जले हुए बर्तन को धो सकते हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -062

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

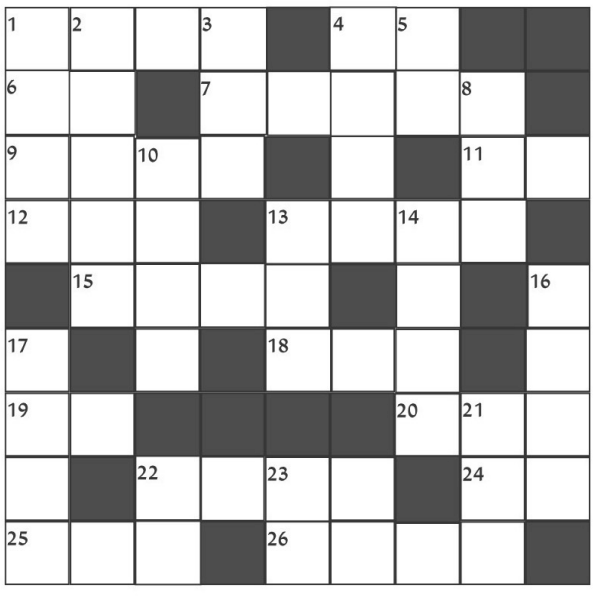

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 61 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

बॉक्स ऑफिस पर लाखों में सिमटी खेल खेल में, वेदा गिन रही अंतिम सांसें

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर इस बार सिनेमाघरों में बॉलीवुड से 'स्त्री 2', 'खेल खेल में' और 'वेदा' रिलीज हुई थी। तीनों ही फिल्मों से काफी उम्मीदें थीं लेकिन श्रद्धा कपूर की हॉरर कॉमेडी के आगे अक्षय कुमार और जॉन अब्राहम की फिल्में टिक नहीं पाईं। जहां 'स्त्री 2' हर दिन नए रिकॉर्ड अपने नाम कर रही है तो 'खेल खेल में' रेंग-रेंग कर आगे बढ़ रही है और 'वेदा' तो बॉक्स ऑफिस पर दम ही तोड़ चुकी है। ये फिल्में पहले वीकेंड पर ही फुस्स हो गई थीं और दूसरे वीकेंड पर तो 'खेल खेल में' और 'वेदा' की लुटिया ही डूब गई।

अक्षय कुमार की 'खेल खेल में' के साथ तो बड़ा खेल ही हो गया है। कहां हर कोई आस लगाए बैठा था कि ये मल्टीस्टारर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कलेक्शन करेगी लेकिन सारी उम्मीदों पर पानी फेरते हुए ये फिल्म रिलीज के पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने के लिए संघर्ष कर रही है। हालांकि खूब पसीना बहाने के बाद भी 'खेल खेल में' बॉक्स ऑफिस पर स्पीड नहीं पकड़ पाई है और अब तो ये डिजास्टर ही साबित हो चुकी है। ऐसे में इस फिल्म से कोई और उम्मीद लगाना बेकार ही है।

रिलीज के पहले दिन जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की एक्शन पैक्ड फिल्म 'वेदा' ने अच्छी ओपनिंग की थी लेकिन ये नहीं पता था कि दूसरे ही दिन दर्शक इस फिलम से मुंह फेर लेगें। बता दे कि इस फिल्म की कमाई का ग्राफ पहले ही हफ्ते में धड़ाम हो गया था और ये लाखों में सिमट गई थी।। तब से लेकर आज का दिन है 'वेदा' बॉक्स ऑफिस पर उबर नहीं पाई है उल्टा अब तो ये चंद लाख भी कमाने में खूब पसीना बहा रही है। 'स्त्री 2' के आगे तो 'वेदा' ढेर हो ही चुकी थी वहीं अब ये फिल्म अक्षय कुमार की खेल खेल में से भी पिछल गई है। 'वेदा' की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस बेहद शर्मनाक है और ये बुरी तरह फ्लॉप हो चुकी है।

वही इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 का कब्जा देखने को मिल रहा है। फिल्म ने उम्मीद से कहीं बढक़र कमाई की है। यही वजह है कि अपनी रिलीज के दूसरे हफ्ते में भी यह ताबड़तोड़ कमाई कर रही है।यह फिल्म पहले ही दिन से कई बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ती दिख रही है।आइए जानते हैं अब तक फिल्म कौन-कौन से रिकॉर्ड बना चुकी है और तोड़ चुकी है। बॉलीवुड में अब तक न जाने कितनी हॉरर कॉमेडी फिल्में बन चुकी हैं, लेकिन किसी को भी इतनी बड़ी ओपनिंग नहीं मिली। स्त्री 2 बॉलीवुड की पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हॉरर कॉमेडी फिल्म है।

कल्कि 2898 एडी का दबदबा कायम, ओटीटी प्लेटफॉर्म पर मिला दूसरा स्थान

27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि 2898 एडी 22 अगस्त को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो और नेटफ्लिक्स पर जारी की गई। कल्कि 2898 एडी के बहुप्रतीक्षित डिजिटल डेब्यू को ओटीटी दर्शकों ने शानदार समीक्षा दी है।

कल्कि 2898 एडी में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, दिशा पाटनी के अलावा भी कई अभिनेताओं ने अहम भूमिका निभाई है। कल्कि 2898 एडी एक बार फिर से सुर्खियों में है। फिल्म को ओटीटी पर रिलीज किया जा चुका है और प्रशंसकों को यह फिल्म बेहद पसंद भी आ रही है।

फिल्म कल्कि 2898 एडी साल 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में से एक है। फिल्म को दर्शकों से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली। अगर आप किसी कारण से थियेटर्स में इसे नहीं देख पाए हैं, तो अब इसे आप ओटीटी पर देख सकते हैं। बता दें यह फिल्म ओटीटी पर पिछले माह 22 अगस्त को ही जारी की जा चुकी है। कल्कि 2898 एडी ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ जैसी कई भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। जबकि फिल्म का हिंदी वर्जन उसी दिन नेटफ्लिक्स पर जारी किया गया था। बता दें नेटफ्लिक्स पर अपने पहले वीकेंड में कल्कि 2898 एडी का हिंदी वर्जन रिलीज किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म ने दस गैर-अंग्रेजी फिल्मों की सूची में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। कल्कि 2898 एडी की यह उपलब्धि 19-25 अगस्त, 2024 की है।

कल्कि 2898 एडी को सिनेमाघरों में भी रिलीज के बाद प्रशंसकों की काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। अब जब फिल्म कल्कि 2898 एडी ओटीटी पर रिलीज हुई है तो इसे ओटीटी पर अभीतक 4.5 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं। प्रशंसक इस हफ्ते फिल्म को टॉप पर देखने की उम्मीद कर रहे हैं। यानी थियेटर रिलीज के लगभग दो महीने बाद ओटीटी पर रिलीज हुई कल्कि 2898 एडी को अब आप ओटीटी पर आसानी से घर बैठे देख सकते हैं। अगर आपने अभी तक नहीं देखी है कल्कि 2898 एडी, तो डेट जरूर देख लें, कहीं ओटीटी से गायब ना हो जाए फिल्म।

नाग अश्विन द्वारा निर्देशित इस पौराणिक-विज्ञान कल्कि 2898 एडी में दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन, दिशा पटानी, राजेंद्र प्रसाद, शोभना और बाकी कई सितारों ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं। वैजयंती मूवीज द्वारा बड़े पैमाने पर निर्मित इस फिल्म का साउंडट्रैक संतोष नारायणन द्वारा रचित है। इस फिल्म का सीक्वल कल्कि 2 भी आएगा। अब प्रशंसक इसके सीक्वल के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

रकुल प्रीत सिंह ने सिजलिंग येलो बॉडीकॉन ड्रेस पहन गिराई बिजली

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग फैशन सेंस के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर फैंस को अपने हुस्न का दीवाना बनाए रहती हैं।

उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं।

इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो अक्सर इंटरनेट पर बवाल मच जाता है।

हालांकि इन फोटोज में भी एक बार कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में येलो कलर का बॉडीकॉन ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो काफी हॉट दिखाई दे रही हैं।

खुले बाल, हाई हील्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

भांजे संग वाइब मैच करते दिखे भाईजान

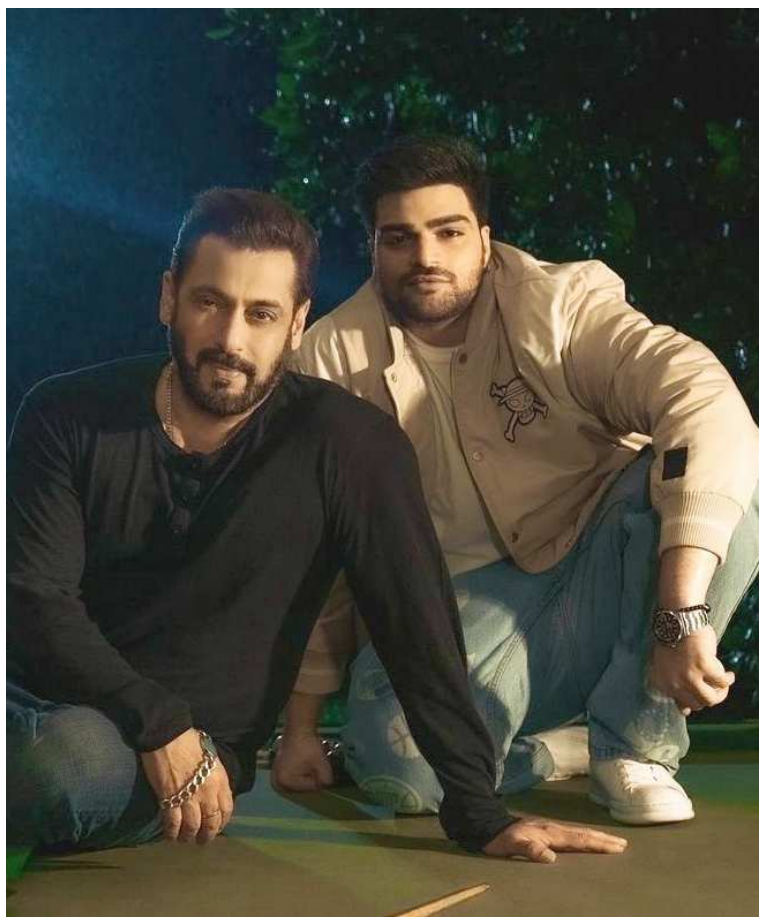

बॉलीवुड के भाईजान यानि सलमान खान अपनी फिल्मों को लेकर तो सुर्खियों में बने ही रहते हैं। साथ ही उनको पेंटिंग और सिंगिंग का भी काफी शौक है। सलमान खान के गाने की झलक तो आप पहले ही देख चुके हैं, कुछ वक्त पहले सलमान ने अपने हाथ की कलाकारी की झलक भी पेंटिंग में दिखाई थी। अब सलमान खान और उनके भांजे अग्नि के एक गाने 'यू आर माइन' का टीजर वीडियो जारी किया गया है। यह गाना इसलिए भी खास है, क्योंकि गाने में सलमान खान पहली बार अपने भांजे अग्नि अग्निहोत्री के साथ नजर आने वाले हैं।

सलमान खान ने हाल ही में 'यू आर माइन' का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें भाईजान को उनके भांजे अग्नि के साथ मस्ती करते हुए दिखाया गया है। क्लिप में देखा जा सकता है कि सलमान खान पेंटिंग में बिजी हैं, तभी अग्नि उनके पास आते हैं और मस्ती में उनके आर्टवर्क के बारे में सवाल पूछते हैं। वीडियो देखने से पता चलता है कि सलमान और अग्नि की जोड़ी एक रोमांचक प्रोजेक्ट लेकर आ रही है, जिसे लेकर फैंस काफी उत्साहित नजर आ हैं। सलमान ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर इसका वीडियो भी पोस्ट किया है।

सलमान खान का यह वीडियो एक मस्ती भरी बातचीत पर आधारित है, जिसमें अग्नि की रैपिंग और सलमान के हल्के-फुल्के कॉमेंट्स हैं, जो कि देखने में काफी दिलचस्प है। 'यू आर माइन' गाने में सलमान खान ने अपनी आवाज दी है और अग्नि ने इसमें रैप किया है। इस गाने के बोल संजीव चतुर्वेदी के साथ मिलकर सलमान खान ने लिखे हैं। गाने को विशाल मिश्रा ने कंपोज किया है। बता दें ति अग्नि ने कुछ वक्त पहले अपना एक और गाना और म्यूजिक वीडियो पार्टी फीवर रिलीज किया था। अग्नि ने इस गाने को पायल देव के साथ मिलकर गाया था।

सलमान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान की अगली फिल्म सिकंदर है। सिकंदर अगले साल यानि ईद के मौके पर 2025 में रिलीज की जाएगी। इस फिल्म में सलमान खान रश्मिका मंदाना के साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला द्वारा प्रोड्यूस किया गया है और एआर मुरुगदास ने डायरेक्ट किया है।

क्या रूस यूक्रेन युद्ध की समाप्ति संभव भी है?

श्रुति व्यास

रूस अब पूरी तरह से मनमानी पर उतर आया है। सर्दी के मौसम की शुरूआत के साथ ही रूस ने एक बार फिर यूक्रेन की बिजली उत्पादन संरचना को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। पिछले सोमवार को रूस ने युद्ध प्रारंभ होने के बाद से सबसे बड़े हवाई हवाई में ड्रोनों और मिसाईलों के जरिए यूक्रेन के बिजली घरों पर हमले किए। रूस पहले भी यूक्रेन के पॉवर इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनता रहा है, जिसका लक्ष्य उसके नागरिकों को अंधेरे में जीने पर मजबूर करना और हाड़ जमाने वाली सर्दी का हथियार के रूप में इस्तेमाल करना है।

ये हमले तब हुए जब युद्ध एक नाजुक दौर में है। इस दौर में यूक्रेन ने सीमा पार दक्षिणी रूस में घुसपैठ की है और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह रूसी भूभाग पर हुआ पहला हमला है। सोमवार को यूक्रेनी सुरक्षा बलों ने रूस के और भीतरी इलाकों में घुसने का प्रयास किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपने साथी देशों से अनुरोध किया है कि वे रूस की सीमा के अन्दर, भीतरी इलाकों पर आक्रमण के लिए उनके द्वारा दिए गए हथियारों के इस्तेमाल पर लगी पाबंदी हटा लें।

इस बीच पूर्वी यूक्रेन के माइंस शहर पोकरोवस्क के निवासी जल्दी से जल्दी वहां से भागने की तैयारी कर रहे हैं। रूसी सेना इस शहर से केवल 11 किमी की दूरी पर हैं। यूक्रेन को उम्मीद थी कि क्रूस्क पर उसके अचानक किए गए हमले के नतीजे में इस मोर्चे पर रूस धीमा पड़ेगा। मगर ऐसा नहीं हुआ और रूसी सेनाएं और तेजी से आगे बढ़ी हैं। रूस के लिए इस शहर पर कब्ज़ा एक रणनीतिक लक्ष्य है, जो दिनप्रो और जेपोरिसिया जैसे बड़े शहरों की ओर बढने का रास्ता खोल देगा।

यूक्रेन के शीर्ष सैन्य अधिकारी रूस के आगे बढने की कुछ और ही वजहें बता रहे हैं। कुछ का कहना है कि उनके पास पर्याप्त मात्रा में गोला-बारूद नहीं है और दुश्मन उनसे दस गुने तक अधिक असलहे का इस्तेमाल कर रहा है। कुछ अन्य रूस की रणनीति की चर्चा करते हैं - छोटे-छोटे समूहों में पैदल सेना द्वारा हमले, ग्लाईड बम और नए प्रकार के इलेक्ट्रानिक युद्ध। लेकिन लंबे समय से जारी युद्ध के कारण आई थकावट और पर्याप्त संख्या में सैनिक उपलब्ध न हो पाना यूक्रेन की इस विफलता के सबसे बड़े कारण हैं। जनता डर के माहौल में जीते-जीते और अनिश्चित परिस्थितियों से तंग आ चुकी है। सैनिकों को अपनी शारीरिक क्षमता से बहुत अधिक काम करना पड़ रहा है और जो सैनिक तेज लड़ाई वाले मोर्चों पर तैनात हैं, उनका कहना है कि वहां हथियारों और सैन्य बल दोनों की संख्या दुश्मन की तुलना में बहुत कम है।

रूस की लगातार बड़े हवाई हमले करने की क्षमता कायम है और इसके कारण यूक्रेन को कई ऐसे जगहों से पीछे हटना पड़ रहा है जहां उसकी जबरदस्त किलेबंदी है। इस स्थिति से निपटने का कोई उपाय ढूंढना उसकी प्रमुख सैन्य एवं कूटनीतिक प्राथमिकताओं में से एक है। कीव लगातार प्रयास कर रहा है कि युद्ध का रूख बदलने के लिए वह सीमा पार रूस के क्रूसक इलाके पर अधिकाधिक तीव्र हमले करे।

युद्ध शुरू हुए दो साल हो चुके हैं और वह लगातार जारी है। पुतिन अपनी जिद पर अड़े हुए हैं और पूरी निर्ममता से हमले कर रहे हैं। जेलेंस्की पूरी दृढ़ता से उनका मुकाबला कर रहे हैं। पश्चिम ने ठान रखा है कि वह पुतिन को सत्ता से बेदखल करके रहेगा। बड़े पैमाने पर पश्चिम की सैन्य सहायता के चलते ही यूक्रेन अब तक न तो पराजित हुआ है ना ही आत्मसमर्पण को बाध्य हुआ है। क्रेमलिन का इरादा उत्तरी यूक्रेन पर किए जा रहे हमलों को जारी रखने का नजर आता है, और वह पहले की तरह बेरहमी से टोरेस्क और अन्य शहरों में हवाई हमले जारी रखे हुए है। ऐसी खबरें हैं कि दो हफ्ते पहले यूक्रेनी सैनिकों के रूसी भूभाग में घुस आने के बाद से रूस में राष्ट्रपति पुतिन की छवि को धक्का पहुंचा है। यह भी पिछले कुछ दिनों में रूसी हमलों के अधिक तीव्र होने का एक कारण है। पोकरोवस्क पर कब्जे और डोनेस्क इलाके की प्रशासनिक सीमा की ओर आगे बढ़ जाना, पुतिन के लिए देश अन्दर यह दावा करने के लिए पर्याप्त होगा कि वे जीत रहे हैं।

रूस एवं यूक्रेन दोनों ने रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण एक-दूसरे के शहरों में घुसपैठ करने में सफलता हासिल कर ली है जिसका उपयोग युद्ध की समाप्ति के लिए होने वाली समझौता वार्ताओं में किया जा सकता है। लेकिन क्या यूक्रेन ने समझौता वार्ताओं में अपनी स्थिति मज़बूत बनाने के लिए जिस रूसी भूभाग पर कब्जा किया है, वह उसे बनाए रखने में सफल होगा? इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि जब तक तानाशाह पुतिन सत्ता पर काबिज है तब तक क्या युद्ध की समाप्ति संभव भी है?

हल्के में न लें बार-बार पेट खराब होने की परेशानी, हो सकती है सीरियस बीमारी

पेट खराब होना काफी आम होता है। पेट दर्द और कब्ज की वजह से ऐसा हो सकता है। कई बार खराब खाने-पीने की वजह से भी पेट में खराबी आ सकती है। लेकिन अगर ये समस्या लंबे समय तक बनी रहे तो अलर्ट हो जाना चाहिए। इसके पीछे कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। सही समय पर इसका इलाज करवाना चाहिए, वरना कई गंभीर बीमारियों का खतरा हो सकता है। यहां जानिए पेट खराब होने के 6 मुख्य कारण।।।

बार-बार पेट खराब होने के 6 कारण

वायरल डायरिया

वायरल डायरिया के नॉर्मल कंडीशन है, जो आमतोर पर अपने आप ही ठीक हो जाती है। अगर संक्रमित खाना और पानी का सेवन करते हैं तो वायरल डायरिया हो सकता है। जिसकी वजह से बार-बार पेट खराब हो सकता है।

पेप्टिक अल्सर डिजीज

पेट की परत में अल्सर के कारण भी लगातार पेट दर्द और इससे जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं। अगर बार-बार पेट खराब हो रहा है तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और तुरंत जाकर डॉक्टर से मिलना चाहिए।

फूड एलर्जी

गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल प्रॉब्लम्स की वजह से खाना को सही तरह पचा पाना मुश्किल होता है, जो पेट खराबी का एक कारण हो सकता है। अगर बार-बार पेट खराब हो रहा है तो आपको फूड एलर्जी भी हो सकती है।

खतरनाक बीमारियां

पेट की परेशानी या बार-बार पेट खराब होना कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। इसलिए सावधान रहना चाहिए, खानपान का ध्यान रखना चाहिए और इस तरह की समस्याओं को हल्के में नहीं लेना चाहिए।

खराब खानपान

अल्ट्रा हाई प्रोसेस्ड फूड्स जैसे ब्रेड, पास्ता, बिस्कुट, नूडल्स, केक या मसालेदार, फैटी खाना या खाने का सही टाइम न होने की वजह से भी पेट में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं हो सकती है।

लाइफस्टाइल में बदलाव

खराब लाइफस्टाइल की वजह से भी पेट में खराबी आ सकती है। तनाव, शराब या धूम्रपान का ज्यादा सेवन पेट को खराब हो सकता है। इसकी वजह से पेट में असहनीय दर्द भी हो सकती है।

पेट की सेहत का ख्याल कैसे रखें

घर पर बना खाना ही खाएं, हरी सब्जियां, फल और दही डाइट में शामिल करें।

प्रोसेस्ड, मसालेदार और ऑयली चीजों से दूरी बनाएं।

शराब और तंबाकू का सेवन न करें।

तनाव को मैनेज करना सीखें। लाइफस्टाइल को बेहतर बनाएं।(आरएनएस)

सू- दोकू क्र.062

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.61 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

ब्रिक्स से जुडना चाहता है मलेशिया

पिछले माह भारत यात्रा पर आए अनवर इब्राहिम की प्राथमिकताओं में मलेशिया को ब्रिक्स में शामिल करना शामिल है। मलेशिया चाहता है उसे इस समूह की सदस्यता मिल जाए।

अगस्त 2019 में मलेशिया से भारत के संबंध बेहद बिगड़ गए, जब नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी कर दिया। लेकिन अब मलेशिया के प्रधानमंत्री दातुक सेरी अनवर इब्राहिम ने भारत आकर संबंधों को सामान्य बनाने की पहल की है।

नई दिल्ली में उनसे द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एलान किया कि दोनों देशों ने अपने संबंध का दर्जा बढ़ाने का फैसला किया है। भारत और मलेशिया ने अब अपने संबंध को व्यापक रणनीतिक सहयोग का दर्जा दिया है। बेशक, रिश्तों में इस मोड़ का एक पक्ष व्यापारिक है। गुजरे पांच वर्षों में भी दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते बढ़े हैं।

वित्त वर्ष 2023-24 में द्विपक्षीय व्यापार करीब 20.01 अरब डॉलर का रहा। भारत में मलेशिया का निवेश लगभग 3.3 अरब डॉलर है। अप्रैल 2023 से दोनों देशों के बीच आपसी मुद्रा में व्यापार भुगतान का समझौता लागू हो चुका है। भारत यात्रा में इब्राहिम का एक मकसद इस प्रणाली को और सहज बनाना भी रहा।

यह उनकी सरकार की विदेश नीति संबंध नई प्राथमिकताओं का हिस्सा है। उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में मलेशिया को ब्रिक्स में शामिल करना भी शामिल है। मलेशिया चाहता है कि अक्टूबर में रूस में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान उसे इस समूह की सदस्यता मिल जाए। संकेत हैं कि इस बारे में रूस और चीन की सहमति उसे मिल चुकी है। ब्रिक्स में फैसले आम सहमति से होते हैं। इसलिए मलेशिया के सदस्यता प्रस्ताव पर भारत एतराज ना जताए, इसे सुनिश्चित करने की जरूरत इब्राहिम ने महसूस की होगी। इस बात की आधिकारिक जानकारी दी गई है कि नई दिल्ली में मोदी के साथ उन्होंने इस मुद्दे पर बातचीत की।

खबरों के मुताबिक अगले शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स आपसी मुद्राओं के जरिए भुगतान के लिए स्विफ्ट जैसा सिस्टम लॉन्च करेगा। यह कदम डॉलर के जरिए भुगतान के अब तक जारी चलन से पीछा छुड़ाने की ब्रिक्स की बड़ी योजना का हिस्सा है। भारत इस योजना में शामिल है और अब मलेशिया भी इससे जुडना चाहता है। अनवर इब्राहिम की नई दिल्ली यात्रा का बड़ा संदर्भ यही रहा है। (आरएनएस)

नाशपाती में औषधीय गुण

नाशपाती में बहुत से विटामिन्स और मिनरल्स होते हैं इसलिए इसको खाने से हमारे शरीर को विटामिन्स और मिनरल्स की पूर्ति हो जाती है। खट्टी-मीठी और रसीली स्वाद की नाशपाती होती है। तो आइये जानते हैं नाशपाती के सेहत के लिए औषधीय गुण मौजूद होते है।

नाशपाती में फाइबर की काफी अच्छी मात्रा होती है, जोकि पाचन तंत्र को स्ट्रॉग बनाती है। नाशपाती खाने से कब्ज की परेशानी से राहत मिलती है।

एनीमिया- नाशपाती में प्रचुर मात्रा में आयरन पाया जाता है, जो हीमोग्लोबिन के स्तर को बढाता है। अगर कोई एनीमिया से पीडित हो तो उसे प्रचुर मात्रा में नाशपाती को खाना चाहिए।

नाशपाती में मौजूद विटामिन ए और एंटीऑक्सीडेंट त्वचा पर उम्र बढने के प्रभाव को कम करने, झुर्रियों, मुंहासे और त्वचा से संबंधी अन्य समस्याओं को रोकने में मदद करता है। यह बालों के झडने, धब्बेदार अध: उम्र बढते की प्रक्रिया, मोतियाबिंद आदि अन्य समस्याओं के इलाज में सहायक होता है।

नाशपाती में अधिक मात्रा में बोरोन होता है। बोरोन हड्डियों में कैल्शियम को बनाए रखने में मदद करता है। इसलिए नाशपाती का सेवन करने से आस्टियोपोरोसिस होने का खतरा नहीं होता।

नाशपाती का सेवन करने से पाचनतंत्र से संबंधित बीमारियों में लाभ होता है।

ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर जन संघर्ष मोर्चा ने तहसील में बोला हल्ला

हमारे संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा कार्यकर्ताओं ने मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी के नेतृत्व में ग्राम ढकरानी एवं बद्रीपुर के ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर तहसील में घेराव /प्रदर्शन कर ज्ञापन उपजिलाधिकारी, विकासनगर की गैर मौजूदगी में तहसीलदार विवेक राजौरी को सौंपा जिस पर तहसीलदार राजौरी ने कार्यवाही का भरोसा दिलाया।

नेगी ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा बनाए जा रहे बल्लूपुर- पांवटा साहिब राजमार्ग में पड़ने वाले ग्राम बद्रीपुर के परशुराम मंदिर के पास राजमार्ग पर पाइप डालकर जंगल से आ रहे बरसाती पानी की निकास हेतु व्यवस्था की जा रही है, जबकि उक्त स्थान पर अंडरपास बनाया जाना चाहिए था, क्योंकि उक्त स्थान के आस पास आधे से अधिक आबादी निवास करती है तथा किसान अपने पशुओं के लिए चारा आदि लेने के लिए इसी रास्ते का उपयोग करते हैं। उक्त स्थान पर इन पाइपों के स्थान पर अंडरपास होने से पानी की निकासी एवं ग्रामीणों के आवागमन हेतु काफी सुविधा रहती। निर्माणाधीन सड़क से उड़ रही धूल हेतु छिड़काव के समुचित प्रबंध नहीं है। इसके साथ-साथ ग्राम ढकरानी में चौधरी जगमाल सिंह के घर से लेकर ऊपर की तरफ जाने वाली सड़क पर सीवर लाइन ओवरफ्लो होने से गंदगी सड़क पर बह रही है, जिस कारण ग्रामीणों का चलना- फिरना दुभर हो गया है। पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने की वजह से नलों में गंदा पानी आ रहा है, जिससे ग्रामीण काफी परेशान हैं। जनहित में उक्त समस्याओं का निराकरण बहुत आवश्यक है। मोर्चा ने प्रशासन से उक्त समस्याओं के शीघ्र निदान न होने पर आंदोलन को चेताया। घेराव/प्रदर्शन में मोर्चा महासचिव आकाश पंवार, विजयराम शर्मा, दिलबाग सिंह, चौधरी जगमाल सिंह, राम सिंह तोमर, नानक सिंह, जनेश्वर फौजी, विक्रम पाल,अशोक चंडोक,हाजी असद, अंकुर वर्मा, मोहम्मद नसीम, गोविंद सिंह नेगी, दीपांशु अग्रवाल, आर.पी. सेमवाल,दिनेश राणा सहित कई लोग मौजूद रहे।

परिचालक की गैर इरादतन हत्या में चालक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। ऋषिकेश आईएसबीटी में परिचालक की गैर इरादतन हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना का कारण शराब पीने के दौरान हुई आपसी बहस बताया जा रहा है जिसमें बस के चालक द्वारा परिचालक को बस की छत से धक्का दे दिया गया था।

जानकारी के अनुसार बीते रोज विक्रम सिंह पुत्र दीप सिंह भण्डारी निवासी ग्राम भेन्तला जनपद टिहरी गढवाल ने कोतवाली ऋषिकेश में तहरीर देकर बताया गया था कि उनका भाई भरत सिंह भण्डारी (43) जो कि (मीनी बस) के वाहन चालक धाम सिह रावत पुत्र सांख्य सिंह के साथ बस में परिचालक/कन्डक्टर का कार्य करता था, आज सुबह फोन के माध्यम से उन्हें उसके ऋषिकेश बस अड्डे पर गाड़ी के नीचे मृत अवस्था मे पड़े होने की जानकारी मिली। उन्हें पूर्ण संभावना है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसकी हत्या करके उसके शव को वाहन के पास फेका गया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान पुलिस ने पूछताछ के आधार पर बस के चालक धाम सिंह रावत को मृतक की गैर इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। जिसने पूछताछ में बताया कि वह करीब 25 वर्षो से ड्राइवरी का कार्य कर रहा है, पूर्व में वह मृतक भरत सिह भण्डारी के मामा राम सिंह की गाडी चलाता था, करीब 6 माह पहले उसके द्वारा वहाँ काम छोड दिया था, तथा पिछले 15-20 दिनों से वह मृतक भरत सिंह की गाड़ी चला रहा था, जिसे भरत सिंह तथा प्रवीण सिंह नेगी द्वारा संयुक्त रुप से खरीदा गया था। बताया कि 7 सितम्बर को वह उक्त वाहन को जोगत से ऋषिकेश लेकर आया, भरत सिंह के अपने घर जाने के कारण 7 सितम्बर को प्रवीण सिंह नेगी बस का परिचालक बनकर आया था, शाम के समय चालक द्वारा मृतक भरत को फोन करने पर उसके द्वारा ऋषिकेश आने की बात बताई तथा शाम के समय वह बस अड्डे पर आ गया, जहाँ उन्होंने ठेके से शराब खरीदी और फिर बस की छत पर बैठ कर शराब पीने लगे। शराब पीने के दौरान चालक तथा मृतक भरत सिंह के बीच मृतक के मामा की गाड़ी को लेकर बहस हो गयी, इस दौरान मृतक को हल्का सा धक्का लगने पर वह अनियन्त्रित होकर बस की छत से नीचे गिर गया तथा उसके सिर से खून निकलने लगा, अचानक हुई घटना से डरकर आरोपी चालक मौके से भाग गया तथा कुछ देर बाद खाना खाकर वापस उसी बस में आकर बैठ गया। अगले दिन उसके द्वारा बस के मालिक प्रवीण सिंह भण्डारी को फोन कर मौके पर बुलाया, जिनके द्वारा मौके पर आकर टीजीएमओ के अध्यक्ष को बुलाया गया। पुछताछ व घटना स्थल से प्राप्त साक्ष्यों में आरोपी का हत्या करने का इरादा होना नही पाया गया है।

हिमालय संरक्षण के लिए गठित होगी विशेष कमेटी:धामी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को हिमालय दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय के सरोकारों से जुड़े विषयों के लिए महानिदेशक यूकॉस्ट श्री दुर्गेश पंत के संयोजन में एक कमेटी बनाई जायेगी। इस अवसर पर उन्होंने यूकॉस्ट द्वारा आयोजित की जाने वाली राज्य स्तरीय पांचवें देहरादून, अन्तरराष्ट्रीय साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी फैस्टिवल के पोस्टर का विमोचन किया। यह महोत्सव 06 जनपदों देहरादून, चमोली, उत्तरकाशी, टिहरी, बागेश्वर और पिथौरागढ स्थित ईंजिनियरिंग कॉलेजों में किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान सभी को हिमालय दिवस की शुभकामनाएं दी और हिमालय के संरक्षण और संवर्धन के लिए कार्य कर रहे लोगों का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य में हर वर्ष 02 सितम्बर को बुग्याल संरक्षण दिवस मनाया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन तेजी से हो रहा है। देहरादून में भी इस वर्ष तापमान में काफी वृद्धि हुई। अगर तापमान इसी गति से बढ़ता रहा तो आने वाले समय के लिए चिंताजनक है। हमें हिमालय, जल और जंगल के संरक्षण की दिशा में मिलकर प्रयास करने हैं, सोचना होगा कि अपनी आने वाली पीढ़ी को विरासत में क्या देकर जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय के महत्व को हमें नई तरह से समझने की जरूरत है। जल स्रोतों और नदियों के

पुनर्जीवीकरण की दिशा में सरकार द्वारा निरंतर कार्य किये जा रहे हैं। इसके लिए स्प्रिंग एण्ड रिवर रिज्यूवनेशन अथॉरिटी का गठन किया गया है। हिमालय के संरक्षण के लिए अनेक कार्य किये जा सकते हैं। हिमालय हमारी अमूल्य धरोहर है, जिसे बचाने की आवश्यकता है। उत्तराखंड पहला राज्य है जहाँ जी.ई.पी की शुरूआत की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में इकोलॉजी व इकॉनमी में संतुलन बनाकर विकास के कार्य किये जा रहे हैं। सरकार पौधरोपण, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है, लेकिन इन सब में जनसहभागिता की जरूरत है, तभी हम इन प्रयासों में सफल हो पाएंगे।

हेस्को के संस्थापक और पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने पूरी गंभीरता से हिमालय एवं इसके संरक्षण के लिए कई नई पहल की हैं। नीति आयोग की बैठक में भी मुख्यमंत्री ने संपूर्ण हिमालय की समस्या को गंभीरता से उठाया। हिमालय से जुड़े मुद्दों को राजनीतिक क्षेत्र में भी ले जाना होगा। देश के कई बड़े संस्थान हिमालय के संरक्षण एवं इस क्षेत्र में अध्ययन का कार्य कर रहे हैं। इन सभी संस्थाओं को एक मंच पर लाकर हिमालय विकास पत्र पर कार्य होना चाहिए। हिमालय की भूमिका संपूर्ण देश के लिए महत्त्वपूर्ण है। हिमालय के संरक्षण के लिए विकास वैज्ञानिकों के अनुसंधान के अनुरूप होना चाहिए।

विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि मध्य हिमालय के लिए विकास का मॉडल बनना जरूरी है। आज जिस तेजी से ग्लेशियर पिघल रहे हैं, यह चिंता का विषय है। हिमालय के संरक्षण के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पूर्व में हमने हिमालयन यूनिटी नाम से एक संस्था बनाई। तब यह तय हुआ कि 9 सितंबर को हिमालय दिवस मनायेंगे।

इस अवसर पर विधायक श्रीमती सविता कपूर, विधायक उमेश शर्मा काऊ, पद्मश्री कल्याण सिंह रावत, प्रमुख वन संरक्षक डा. धनंजय मोहन, इसरो देहरादून के निदेशक आर.पी. सिंह, आई.आई.पी के निदेशक हरेन्द्र बिष्ट एवं विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पैंशन योजना के आवेदन 7 दिन से अधिक लंबित रखने पर होगी कार्यवाही : डीएम

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि पैंशन योजना के आवेदन सात दिन से अधिक लम्बित रखने पर सम्बन्धित अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही होगी।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बंसल ने जिला समाज कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी प्रातः 10 बजे सर्वे चौक स्थित जिला समाज कल्याण कार्यालय पंहुचे। जिलाधिकारी ने समाज कल्याण विभाग द्वारा दी जा रही पेंशन ब्लॉक वार आवेदन की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की स्थिति का अवलोकन किया।

साथ ही समाज कल्याण विभाग की अन्य योजनाओं के आवेदन की जानकारी तथा प्रगति जानी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि किसी भी योजना का आवेदन लंबित न रहे, यह सुनिश्चित कर लें। आवेदन लंबित रखने पर संबंधित के विरुद्ध होगी कार्यवाही। पैंशन संबधी कोई भी आवेदन एक सप्ताह से अधिक लंबित ना रहे यह सुनिश्चित कर लिया जाए। आवेदन में कमियां पाए जाने की सूचना आवेदक को समयबद्ध दी जाए। जिलाधिकारी ने समाज कल्याण कार्यालय में आने वाले लोगों से वार्ता की, उनकी

समस्या सुनते हुए समाज कल्याण अधिकारी को शाम तक समस्या का निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पेंशन योजना के आवेदनों 15 से 18 दिन, लंबित पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए पेंशन संबंधी आवेदनों को एक सप्ताह के भीतर निस्तारण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने चेतावनी दी की पैंशन योजना के आवेदन 7 दिन से अधिक लंबित रखने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने समाज कल्याण कार्यालय में अभिलेखों का ठीक से रख रखाव न किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए, अभिलेखों का ठीक प्रकार से रखरखाव करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम अनुसूचित जाति अनुदय ऋण, योजना के आवेदन की जानकारी लेते हुए योजना का प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि ब्लॉक स्तर पर समन्वय करते हुए निर्देशों से अवगत करा दिया जाए, कि किसी भी योजना का आवेदन निर्धारित समय अवधि में निस्तारण करें तथा अभिलेखों का रखरखाव ठीक प्रकार से किया जाए। साथ ही निर्देशित किया कि ब्लॉक स्तर के कार्यालय के कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ऑफलाइन प्राप्त होने वाले आवेदनों पर प्राप्ति तिथि अंकित हो तथा अभिलेखों का विवरण उल्लिखित हो।

निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी सदर हरी गिरी, जिला समाज कल्याण अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

प्रेम प्रसंग के शक में नाराज भाई ने की बड़ी बहन की गला रेतकर हत्या

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मंगलौर में एक भाई ने अपनी बड़ी बहन की प्रेम प्रसंग के शक में हत्या कर दी, वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद ही परिजनों और पुलिस को पूरी बात बताई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। जानकारी के अनुसार घटना देर रात की है जब मंगलौर के मोहल्ला मलानपुरा स्थित एक घर में 24 वर्षीय युवती का गला रेतकर उसके भाई अमन पुत्र इमरान ने हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि मृतका की दो और बहने हैं

❑पुलिस ने किया गिरफ्तार, पूछताछ शुरु

जिनमे से एक विवाहित है और अपनी ससुराल में है, दूसरी बहन और मां परिवार के साथ रहती है। मृतका की मां रविवार रात अपनी एक रिश्तेदारी में देवबंद गई हुई थी। सुबह जब वह घर आई तो पुत्र ने पूरी बात मां और पुलिस को बताई।

युवक बहन के प्रेम प्रसंग से नाराज था और उसने पहले भी बहन को समझाने का प्रयास किया था। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। वही आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एसपी देहात स्वप्न किशोर सिंह ने बताया एक युवती की उसके भाई द्वारा हत्या किए जाने की सूचना पुलिस को मिली थी, मौके पर पहुचकर साक्ष्य संग्लन की कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राथमिक जानकारी मिली है कि युवक बड़ी बहन के प्रेम प्रसंग से नाराज था, इसके अलावा भी तमाम पहलुओं पर जांच की जा रही है।

अपर मुख्य सचिव ने विभागों को 'सारा' के अंतर्गत गतिमान योजनाओं को गंभीरता से लेने दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय में स्प्रिंग एंड रिवर रिजूविनेशन प्राधिकरण (सारा), उत्तराखण्ड की जनपद एवं अर्न्तविभागीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सभी विभागों को सारा के अंतर्गत गतिमान योजनाओं को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा आगामी 15 दिनों के अंदर जनपदों में लंबित कार्यों का परीक्षण करवा कर रिपोर्ट शासन को भेजी जाए, एवं जो कार्य धरातल में पूर्ण हो चुके हैं, उनके आउटकम, आंकड़े सहित पेश किए जाएं। उन्होंने कहा प्रदेश के अंदर

बंद पड़े हैंडपंप को पुनः रिचार्ज करने की दिशा में भी कार्य किए जाएं। बंद पड़े हैंडपंपों के माध्यम से भूजल को पुनःरिचार्ज किया जाए, जिसके लिए कार्य योजना बनाकर धरातल में उतारा जाए। उन्होंने कहा प्रदेश में पिछले साल तक पूर्ण रूप से सूख चुके हैंडपंपों की गिनती भी हो।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि जल संरक्षण के साथ ही जल गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा भौगोलिक स्थिति को देखते हुए उपयुक्त रिचार्ज उपायों को अपनाया जाए। उन्होंने कहा पेयजल निगम, जल संस्थान, सिंचाई एवं लघु सिंचाई विभाग द्वारा चिन्हित किए गए कार्यों में आपसी समन्वय के साथ तेजी लाई जाए। एवं हर योजना का तकनीकी अध्ययन जरूर करवाएं। इस दौरान बैठक में बताया गया कि पेयजल निगम द्वारा राज्य के अंतर्गत कुल 78 एवं जल संस्थान द्वारा राज्य के कुल 415 क्रिटिकल जल स्रोत चिन्हित किए गए हैं, जिनपर विभिन्न स्तरों पर कार्य गतिमान है। इस अवसर पर अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सारा) श्रीमती नीना ग्रेवाल, आईएफएस आर.के मिश्रा, अपर सचिव श्रीमती गरिमा, बीके तिवारी एचओडी लघु सिंचाई एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

युवती से छेड़छाड़ में मुस्लिम युवक... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

में हैं। उसके खिलाफ कार्यवाही की जाये। जिसके बाद उन्होंने शहर कोतवाल को अपना प्रार्थना पत्र सौंपा।

वहीं हिन्दू व्यापारियों ने भी अपने प्रतिष्ठानों को बंद कर प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि यहां पर बाहरी राज्यों से आकर मुस्लिम समाज के लोग दुकानें किराये पर लेकर अपनी मनमर्जी करते हैं। उन्होंने कहा कि यहां पर बाहरी राज्यों से आकर दुकाने लेने वालों से दुकानें खाली करायी जाये। दोनों समुदायों के आमने सामने आने पर पुलिस ने पल्टन बाजार सहित अन्य बाजारों में चौकसी बढा दी। आज सारी दिन बाजार में यह सारा मामला चर्चा का विषय बना हुआ था। दोनों तरफ से एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगते रहे।

यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए सभी जनपदों में सहायता करें यातायात निदेशालयः शैलेश बगोली

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। सचिव गृह शैलेश बगोली ने प्रदेश एवं विशेषकर देहरादून और अन्य बड़े शहरों में यातायात को लेकर पुलिस एवं परिवहन विभाग सहित अन्य सम्बन्धित एजेन्सियों के साथ बैठक की। सचिव गृह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यातायात की समस्या के निराकरण के लिए शीघ्र ही अल्पावधिक एवं दीर्घावधिक योजनाएं तैयार की जाएं। सभी सम्बन्धित विभागों द्वारा आपसी सामंजस्य से व्यापक कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने निर्देश किए कि यातायात निदेशालय देहरादून सहित सभी जनपदों में यातायात व्यवस्था के सुधार के लिए कार्य करेगा।

सचिव गृह ने यातायात संकुलन को दूर करने के लिए आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था में सुधार की दिशा में कार्य कर रहे अन्य संस्थानों और एजेंसियों किए गए कार्यों का भी अध्ययन कराते हुए अपनी योजनाओं में शामिल किया जाए। उन्होंने अधिक यातायात संकुलन वाले स्थानों पर नयी पार्किंग चिन्हित करने के साथ ही नए सड़क

❑सचिव गृह शैलेश बगोली ने ली प्रदेश के यातायात प्रबन्धन को लेकर बैठक

मार्गों के निर्माण और पक्कीकरण पर फोकस किए जाने के निर्देश दिए। वाणिज्यिक संस्थानों, मॉल, रेस्टोरेंट आदि द्वारा अपनी पार्किंग को प्रयोग में लाने हेतु एन्फोर्समेंट बढ़ाया जाए।

सचिव गृह ने शहर में रेहड़ी ठेली लगाने वालों के लिए मोबाईल वेंडिंग जॉन निर्धारित करने की दिशा पर भी कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने रेड लाईट वायोलेशन डिटेक्शन (लालबत्ती उल्लंघन पहचान प्रणाली) को सुचारू किए जाने के भी निर्देश दिए। कहा कि चौराहों पर ऑटोमेटेड रेड लाईट सिग्नल्स को बढ़ाया जाए। साथ ही अधिकतर समय ऑटोमेटेड मोड को चालू रखा जाए ताकि सिस्टम यातायात प्रवाह को सीख कर खुद को अपग्रेड कर सके। उन्होंने स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के साथ लगातार सामंजस्य स्थापित करते हुए यातायात समस्याओं का निस्तारण किया जाए।

इस अवसर पर विशेष सचिव गृह श्रीमती रिद्धिम अग्रवाल, आईजी एवं निदेशक यातायात अरूण मोहन जोशी, अपर सचिव गृह श्रीमती निवेदिता कुकरेती, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल एवं एसएसपी देहरादून अजय सिंह सहित लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) के अधिकारी उपस्थित थे।

लाठी डण्डों से हमला कर घायल करने पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। लाठी डण्डों से हमला कर घायल करने के मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोकुलधाम सोसाइटी निवासी अमन भटट ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रात को वह अपने दो मित्रो मृदूल रावत व एकलव्य के साथ मोटर साईकिल पर चर्च लेन मार्ग से टर्नर रोड होते हुए आईएसबीटी जा रहा था। बीच रास्ते मे बस्ती के निकट कुछ अज्ञात लडको द्वारा लूटपाट के इरादे से उन्हें रोका गया उनके न रुकने पर उनके द्वारा उनके पीछे ईट पत्थर फेके गये जिसके कारण वह असन्तुलित होकर सडक पर गिर गये। उक्त अज्ञातो द्वारा उनपर चाकू तथा डंडो से वार किया गया जिससे तीनो को ही चोटे आई है। उनके एक साथी मृदुल रावत पर चाकू से जानलेवा हमला किया गया तथा उसके सर पर ईट व डंडे से घातक प्रहार किए गये उसके पश्चात हमलावर वहा से भाग गये तथा उन्होंने अपने गम्भीर रुप से घायल साथी को अस्पताल मे भर्ती करवाया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घर के बाहर एक्टिवा चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने घर के बाहर खडी एक्टिवा चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्खीबाग निवासी हर्षित ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी एक्टिवा घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद बाहर आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी।

जिलाधिकारी हरिद्वार की छापेमारी से मचा हड़कंप

अनुपस्थित सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों का वेतन रोका

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नवागंतुक जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह ने विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। जिनमें से कुछ कार्यालयों में अधिकारी व कर्मचारी अनुपस्थित पाये गये। जिनके वेतन रोकने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा जारी किये गये है।

जिलाधिकारी ने 10.15 बजे से मुख्य शिक्षाधिकारी कार्यालय , जिला शिक्षाधिकारी कार्यालय बेसिक तथा माध्यमिक, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। मुख्य शिक्षाधिकारी कार्यालय में निरीक्षण के दौरान मुख्य शिक्षा अधिकारी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, प्रधान सहायक व ड्राइवर तथा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बेसिक/माध्यमिक में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अनुपस्थित पाए गए। जबकि 10. 25 बजे जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी कार्यालय में निरीक्षण के दौरान जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी तथा डाटा एंट्री ऑपरेटर अनुपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी ने अनुपस्थित पाए गए सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों का

वेतन रोकने तथा स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचना सुनिश्चित करें। कार्यालय में आने वाले व्यक्तियों एवम फरियादियों की पूरी शालीनता से समस्याएं सुनकर उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए उनकी अनुमति के बिना कोई भी अधिकारी मुख्यालय नहीं छोड़ेगा।

घर से बिजली के तार चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर में लगे बिजली के तार चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री राम कालोनी चर्च रोड निवासी शुभम राजपूत ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि चोरों ने उनके घर में लगी हुई बिजली की तारें चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।